

जनांकिकी का महत्व

(Importance of Demographi)



प्रस्तुतकर्ता

डॉ. सुषमा शर्मा

सहा. प्राध्यापक - समाजशास्त्र

डी.पी. विप्र महाविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

जनांकिकी का महत्व

1. जनांकिकी का क्या महत्व है ?
2. इस विषय का अध्ययन क्यों किया जाता है ?
3. इस विषय के अध्ययन से क्या लाभ है ?
4. व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में जनांकिकी की क्या उपयोगिता है ?
5. व्यक्ति और समाज के सम्बन्धों के बारे में वैज्ञानिक जानकारी प्राप्त करने में क्या जनांकिकी उपयोगी है ?

इन्हीं प्रश्नों के उत्तर में जनांकिकी के महत्व या उपयोगिता है।

जनांकिकी का महत्व

1. जनसंख्या का क्रमबद्ध और व्यवस्थित ज्ञान प्राप्त करने में सहायक ।
2. जनसंख्या वृद्धि की दर का अध्ययन में सहायक
3. समाज के संतुलित विकास के लिए आवश्यक
4. देश की राष्ट्रीय नीति के निर्धारण में
5. रोजगार का अध्ययन
6. जनसंख्या और खाद्य सामग्री का वैज्ञानिक अध्ययन

जनांकिकी का महत्व

7. जनसंख्या के झुकाव तथा उसके परिणाम स्वरूप सामाजिक संगठन की विशेषताओं का अध्ययन
8. मानव समाज के आधार को समझने में महत्वपूर्ण
9. भविष्य की जनसंख्या प्रवृत्तियों की जानकारी देना ।
10. सामाजिक परिवर्तन की गति के निर्धारण में ।

जनांकिकी का महत्व

प्रो. थाम्पसन और लेविस के अनुसार जनांकिकी का महत्व -

1. जनांकिकी फलदायक विज्ञान है केवल ज्ञानदायक विज्ञान ही नहीं।
2. विश्व, जनसंख्या, उसकी प्रवृत्तियाँ एवं सूचनाओं का ज्ञान प्राप्त होता है।
3. अनेकानेक जनांकिकीय-तकनीकी घटकों को समझने में सहायक

जनांकिकी का महत्व

सारांश -



भारत जैसे देश में जनांकिकी के अध्ययन की बहुत अधिक आवश्यकता है। सदियों गुलामी के बाद भारत स्वतंत्र हुआ है। भारत जैसे देश में जनसंख्या ही शक्ति का आधार है, इसलिए यह देश की समस्याओं को प्रमाणित करती है।